LNMUonline.com

Maithili (Hons.) Paper-I

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

1. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर दिअ :
   (क) 'कृष्णजन्म'क रचनाकार के छथि?
   (ख) लोचनक कोन पोथी पाठ्यक्रम मे अच्छि?
   (ग) 'गोविन्ददास भजनावली'क प्रकाशन कतऽ सँ भेल अछि?
   (घ) 'कृष्णजन्म' कोन विधाक रचना थिक?
   (ङ) 'राग तरंगिणी'क रचयिता के छथि? LNMUonline.com
   (च) 'गोविन्दास भजनावली'क सम्पादक के छथि?
   (छ) 'मैथिली प्राचीन गीतावली'कतऽ सँ प्रकाशित भेल अछि?
   (ज) 'चन्द्रकला'क रचना कोन पोथी मे संगृहीत अछि?
   (झ) मनबोधक 'कृष्णजन्म' महाकाव्य थीक अथवा खंडकाव्य?
   (ञ) 'गोविन्द भजनावली' मे कोन प्रकारक रचना अछि?
2. निम्नलिखित मे सँ कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'कृष्णजन्म' एक उत्तम कोटिक महाकाव्य अछि, प्रमाणित करू।
   (ख) 'रागतरंगिणी'क आधार पर लोचनक काव्य-प्रतिभाक मूल्यांकन करू।
   (ग) 'गोविन्ददास भजनावली' मे श्रृंगार आ भजन दुनू रूपक पद भेटैछ, एकरा चरितार्थ करू।
   (घ) 'मैथिली प्राचीन गीतावली'क विशेषता पर प्रकाश दिअ।
   (ङ) 'राग तरंगिणी'क पदक आधार पर विद्यापतिक काव्य वैशिष्ट्य सँ परिचय कराउ।
3. निम्नलिखित मे सँ कोनो दू गोट पद्यांशक व्याख्या करू :
   (क) जएबाँ देहे मोहि हे जदुराए।
   लोभे अधिके परतष भए जाए।।
   चेतन भए अकछिअ भल मन्द।
   पओला जस न बढ़ाबिअ दन्द।।
   (ख) कुंडल करन रविमण्डलवरन तन
   तामे नित लेपित विभूति सित छांर हए।
   बामे कर कीलित त्रिशूल करमूल तल
   लम्बित अधारी वरनारी शिरदर हए।।
   (ग) सुनइत अनुखन जसु नव गुन-गन स्रवन नय भए गेला।
   दरसने तनिकर एहन नोर झर स्रवन नयन सम भेला।।
   (घ) कहलन्हि सिखबह हम रहि ताहि
   टाँग तोरिअ तँ केओ हम नाहि
   मानिअ नहि एते एत बरजीअ
   अहीं हमर सभ केओ भेल छीअ।

LNMUonline.com